



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ४९६] नई दिल्ली, वृहस्पतिवार, अक्टूबर २३, १९८६/कार्तिक १, १९०८
No. 496] NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 23, 1986/KARTIKA 1, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है ताकि इससे कि यह अलग बंकेन के रूप में
खेला जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, २३ अक्टूबर, १९८६

सं ४४०/८६—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा. का. नि. ११६४ (अ) —केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम,
१९४४ के नियम ८ के उपनियम (1) हारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करते
हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं.
४१३/८६-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नारीय १५ निवार, १९८६ को अधिकांत
करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैकिक प्रगतिसम १९३५ (१९८६ का ५) की

मनुसूची के अध्याय 57 के अंतर्गत आने वाले हाथ से बने गलीबे को (चाहे बुनाई पूर्व या बुनाई पश्चात् संक्रियाओं के दौरान बहुतर परिसंज्ञा के लिए कोई मरम्मत प्रयोग की गई हो या नहीं), उन पर उद्धरणीय समस्त उत्पाद-मूल्क से, जो उक्त मनुसूची में विनिर्दिष्ट है, छूट देती है।

[का सं 59/4/86 — सी. श. 2]

सी. पी. श्रीवास्तव, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd October, 1986

NO. 440/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 1164(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 413/86-Central Excises, dated the 15th September, 1986, the Central Government hereby exempts hand-made carpets (whether or not any machines have been used to achieve better finish during pre-weaving or post-weaving operations), falling within Chapter 57 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), from the whole of the duty of excise leviable thereon which is specified in the said Schedule.

[F. No. 59/4/86-CX.2]

C. P. SRIVASTAVA, Under Secy.